INS आन्द्रोत

स्रोत: पी.आई.बी

भारतीय नौसेना, विशाखापत्तनम स्थित नौसेना डॉकयार्ड में अपने दूसरे अत्याधुनिक **पनडुब्बी रोधी युद्धक उथले पानी के जहाज़ (ASW-SWC)**, ‘**आन्द्रोत**’ को कमीशन करने के लिये तैयार है।

- **लक्षद्वीप के आन्द्रोत द्वीप** के नाम पर रखा गया यह जहाज़ भारत की अपनी**समुद्री सीमाओं की सुरक्षा के प्रति प्रतिबद्धता का प्रतीक है।**
- इसके पूर्ववर्ती स्वरूप में **आईएनएस आन्द्रोत (P69)** ने सेवामुक्त होने से पहले 27 वर्षों तक राष्ट्र की विशिष्ट एवं गौरवपूर्ण सेवा की।
- इसका निर्माण **गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स (GRSE) कोलकाता** द्वारा किया गया था और इसमें 80% से अधिक घटक स्वदेशी हैं जो सरकार के आत्मनिर्भरता विज़न के अनुरूप हैं।
- ये जहाज़ **डीजल इंजन-वॉटरजेट संयोजन** द्वारा संचालित होते हैं तथा **अत्याधुनिक हल्के टॉरपीडो और स्वदेशी पनडुब्बी रोधी युद्धक रॉकेटों से लैस हैं।**

ASW-SWC

- इन जहाज़ों को तटीय जल में पनडुब्बी रोधी अभियानों, **निम्न तीव्रता वाले समुद्री अभियानों (LIMO)** और बारूदी सुरंग बिछाने के अभियानों के लिये डिज़ाइन किया गया है।
- **भारत की ASW क्षमताएँ:**
  - **इंटीग्रेटेड ASW डिफेंस सुइट्स (IADS):** महिंद्रा डिफेंस सिस्टम्स के सहयोग से विकसित, ये प्रणालियाँ जल के भीतर प्रभावी पहचान और खतरे से सुरक्षा प्रदान करती हैं।
  - **कामोर्टा श्रेणी के जहाज़:** INS कामोर्टा और INS कदमत्त जैसे ये स्टील्थ युद्धपोत, कम विकिरण वाले जल के भीतर ध्वनि संकेतों से लैस हैं।
  - **समुद्री गश्ती विमान:** भारत पनडुब्बी रोधी टोही के लिये **बोइंग P-8I (पोसडॉन)** विमान का उपयोग करता है।
  - **SMART प्रणाली:** DRDO ने जल के भीतर बेहतर सुरक्षा के लिये एक मिसाइल-आधारित, हल्की टारपीडो वितरण प्रणाली विकसित की है।
  - **ASW हेलीकॉप्टर:** MH-60R सीहॉक बहु-भूमिका हेलीकॉप्टरों को पनडुब्बी रोधी युद्ध के लिये तैनात किया जाता है।
- **ASW का महत्त्व :**
  - भारत की समुद्री सुरक्षा उसकी विशाल तटरेखा और **रणनीतिक स्थिति के कारण महत्त्वपूर्ण** है, क्योंकि हिंद महासागर क्षेत्र में **परमाणु हथियार संपन्न** पनडुब्बियाँ संचालित होती हैं।
  - क्षेत्र से बाहर की शक्तियों और उनकी उन्नत पनडुब्बियों की बढ़ती उपस्थिति भारत के लिये सुरक्षा चुनौतियाँ बढ़ा रही है।

और पढ़ें: भारतीय नौसेना ने ASW SWC परियोजना के साथ आत्मनिर्भर भारत को आगे बढ़ाया

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/ins-androth